वो लड़की जिसने बहुत ज़्यादा कपड़े पहने

थाईलैंड की एक लोककथा

पुनर्कथन: मार्गरेट रीड मैकडोनाल्ड

अधिकांश युवा लड़कियों की तरह, एरी को अच्छे कपड़े और आभूषण पसंद हैं. लेकिन वो थोड़ी सी बिगड़ैल भी है और उसके पास ज़रूरत से ज़्यादा बढ़िया पोशाकें और गहने हैं. इसलिए जब अगले गांव में होने वाले नृत्य की खबर आती है तब एरी क्या पहने वो अपना मन नहीं बना पाती है:

"अब मैं अपने बढ़िया कपड़े लोगों को दिखा सकती हूँ! लेकिन मैं कौन से रंग के कपड़े पहनूं? गुलाबी, नीले, लाल रंग? आसमानी नीला या समुद्री नीला? शायद बैंगनी? गहरा बैंगनी? मैजेंटा? या पन्ने जैसे हरे?"

एरी कोई निर्णय नहीं ले पाती है. इसलिए एरी अपने सभी बेहतरीन कपड़ों को पहनने का फैसला लेती है. अंत में उसे इस बात का एहसास होता है कि वो उन बोझल कपड़ों का भार नहीं ढो सकती है.

वो लड़की जिसने बहुत ज़्यादा कपड़े पहने

थाईलैंड की एक लोककथा

पुनर्कथन: मार्गरेट रीड मैकडोनाल्ड

ऐरी के माता-पिता ने अपनी लड़की को वो सब कुछ दिया जो वो चाहती थी.

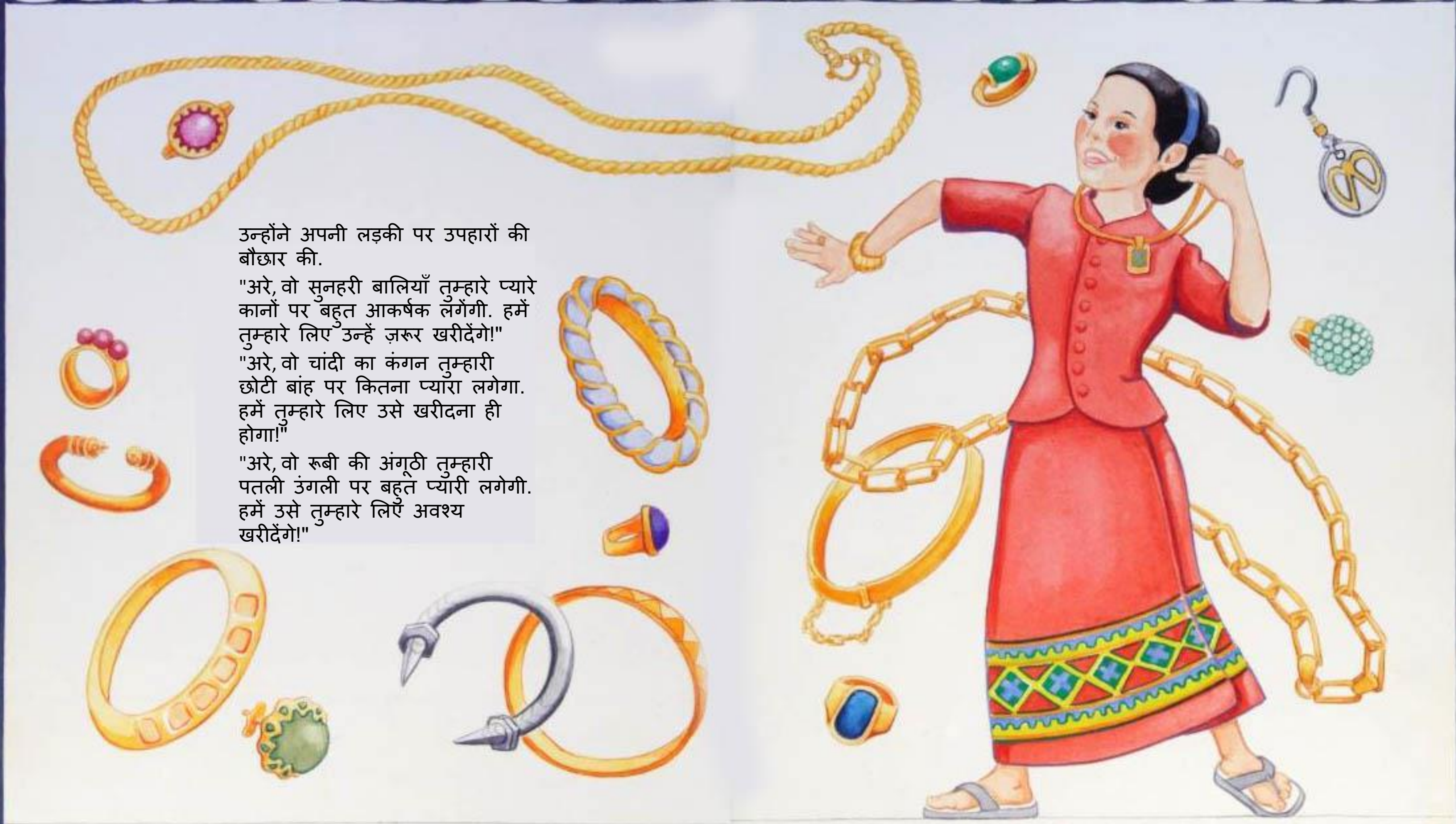

उन्होंने अपनी लड़की पर उपहारों की बौछार की.

"अरे, वो सुनहरी बालियाँ तुम्हारे प्यारे कानों पर बहुत आकर्षक लगेंगी. हमें तुम्हारे लिए उन्हें ज़रूर खरीदेंगे!"

"अरे, वो चांदी का कंगन तुम्हारी छोटी बांह पर कितना प्यारा लगेगा. हमें तुम्हारे लिए उसे खरीदना ही होगा!"

"अरे, वो रूबी की अंगूठी तुम्हारी पतली उंगली पर बहुत प्यारी लगेगी. हमें उसे तुम्हारे लिए अवश्य खरीदेंगे!"

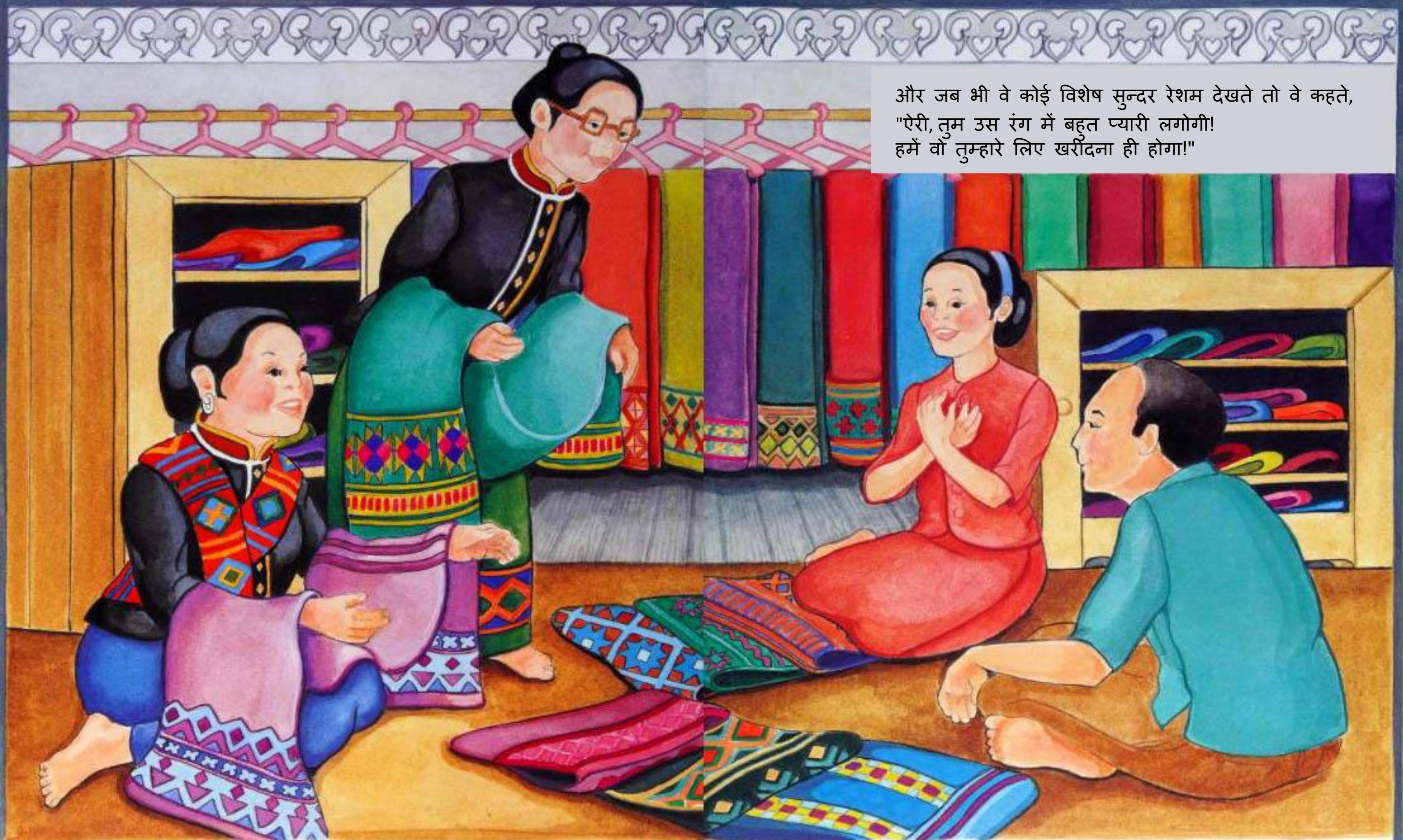

और जब भी वे कोई विशेष सुन्दर रेशम देखते तो वे कहते,
"ऐरी, तुम उस रंग में बहुत प्यारी लगोगी!
हमें वो तुम्हारे लिए खरीदना ही होगा!"

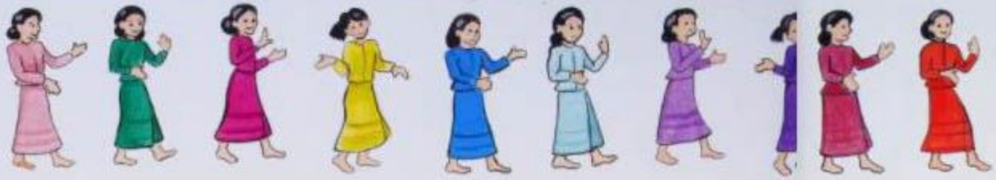

"अब मैं सबको अपने अच्छे कपड़े दिखा सकती हूँ!
लेकिन मैं कौन सा रंग पहनूं? गुलाबी, फूशिया, लाल रंग? आसमानी नीला या समुद्री नीला? शायद बैंगनी? गहरा बैंगनी? मजेंटा? या पन्ने जैसा हरा? मुझे लगता है कि मुझपर गुलाबी रंग बहुत फबेगा."

ऐरी का कमरा गहनों के बक्सों और रेशम के संदूकों से भरा हुआ था. तभी उसने पहाड़ के पार के गांव में एक नृत्य के बारे में सुना.

उसने चमकीले गुलाबी रेशम का कुरता पहना. लेकिन उसके पास पन्ने जैसे रंग की एक ड्रेस भी थी.

"यह हरा रंग बहुत सुंदर है. शायद मैं उन दोनों को एक-साथ पहन सकती हूँ!"

फिर उसने तुरंत हरे रंग के कुर्ते को गुलाबी रंग वाले के ऊपर पहन लिया! अब मैं सबको अपने दो रेशमी कुर्ते दिखा सकती हूँ!

लेकिन यह फ्यूशिया सबसे चमकीला है. मुझे लगता है मैं भी इसे पहनूंगी."

फिर फ्यूशिया को हरे रंग के कुर्ते ऊपर पहनकर वो इधर-उधर घूमने लगी.

"आज मैं...नृत्य में सबसे सुंदर लड़की दिखूंगी!

यह कुर्ता तो विशेष रूप से भव्य है. और इस चमकीले नीले रंग को देखो... मेरे जितना महंगा रेशम किसी और के पास नहीं होगा. मैं उसे भी पहनूंगी!

समुद्री नीला? बैंगनी? और शुद्ध सोने के धागों से युक्त यह बैंगनी रंग. अपनी सभी पोशाकों के साथ मैं निश्चित रूप से नृत्य में सबसे सुंदर लड़की बनूंगी!"

और पोशाक के ऊपर पोशाक पहनते हुए उस मूर्ख लड़की ने जल्द ही उन सभी कुर्तों को पहन लिया. उन सभी भारी पोशाकों को पहनने का बाद, एरी बड़ी मुश्किल से ही चल पाई.

"वे थोड़े भारी हैं, लेकिन ज़रा मुझे देखो!
मैं नृत्य में सबसे सुंदर लड़की लगूंगी!”

“अब मैं कौन सा कंगन पहनूं? सोने का या चांदी का? बिल्कुल. जेड? मेरा पसंदीदा. और मेरी अंगूठियाँ - माणिक? नीलमणि? पन्ना? मोती? ओपल? ओह हां!"

जल्द ही उसने अपने सभी आभूषण भी पहन लिए!

तभी उसके दोस्त आ गए. "अरे! तुम देखो..." लेकिन बाकी लड़कियों को समझ नहीं आया कि वे क्या कहें. ऐरी रेशम के कई कपड़े, अंगूठियां, कंगन, झुमके पहनकर अपने घर से निकली. वो मुश्किल से चल पा रही थी.

लेकिन उसे गर्व था. "जरा मेरे खूबसूरत कपड़ों को तो देखो. जरा मेरे सोने और गहनों को तो देखो. मुझे यकीन है कि मैं डांस में सबसे खूबसूरत लड़की बनूंगी!"

"अरे तुम बहुत मूर्ख लग रही हो," उसकी दोस्तों ने अपनी हंसीं रोकने की कोशिश की.

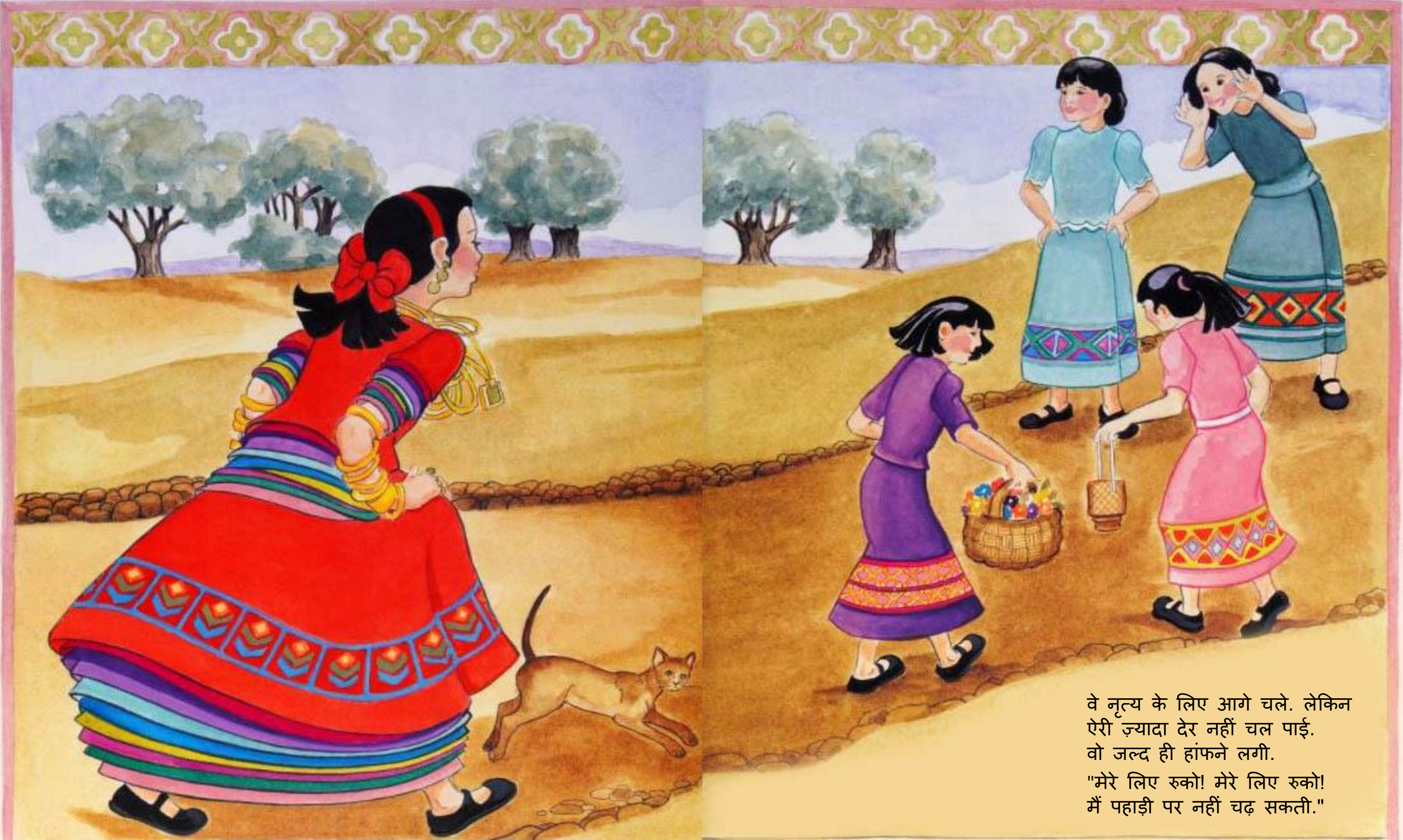

वे नृत्य के लिए आगे चले. लेकिन
ऐरी ज़्यादा देर नहीं चल पाई.
वो जल्द ही हांफने लगी.

"मेरे लिए रुको! मेरे लिए रुको!
मैं पहाड़ी पर नहीं चढ़ सकती."

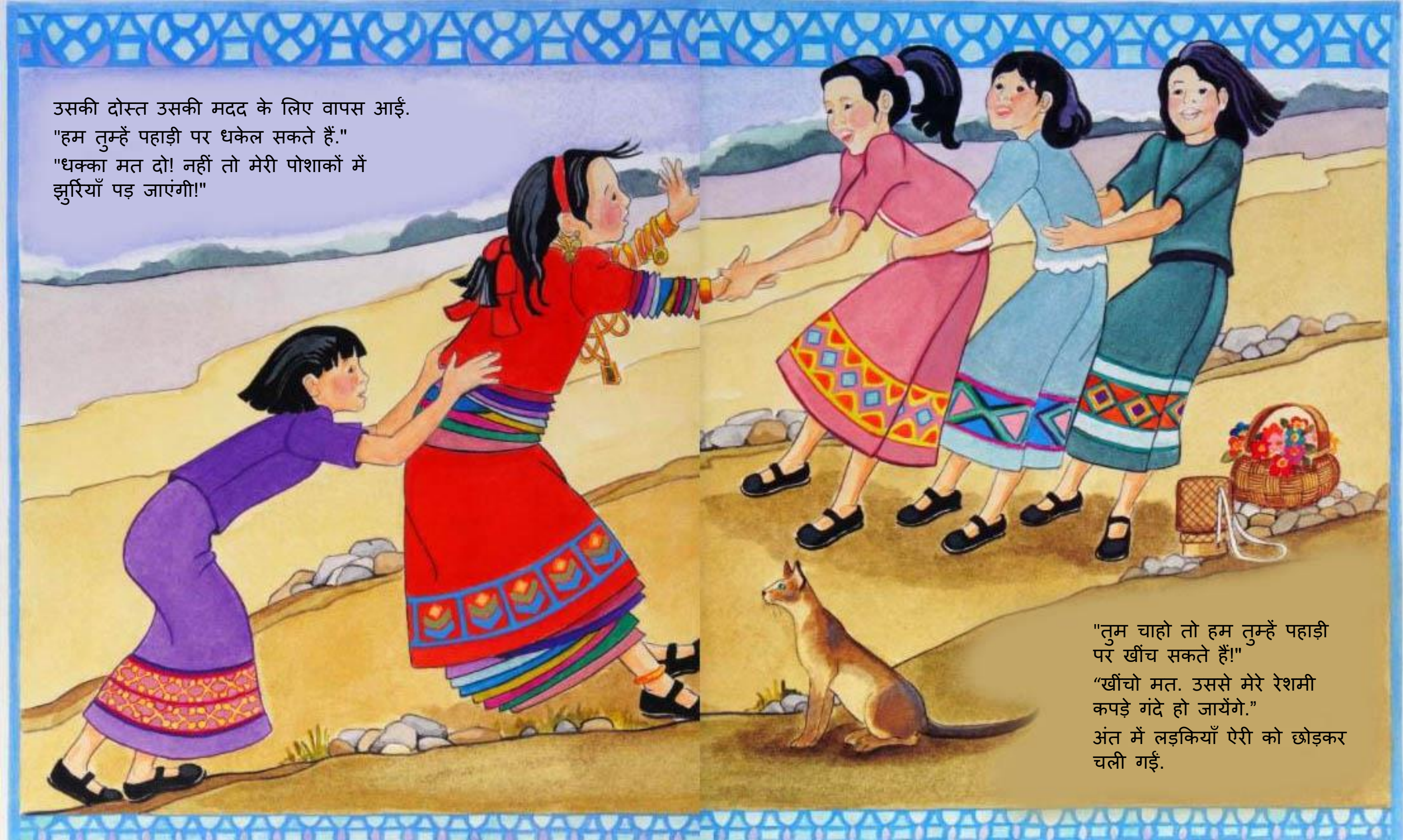

उसकी दोस्त उसकी मदद के लिए वापस आईं.
"हम तुम्हें पहाड़ी पर धकेल सकते हैं."
"धक्का मत दो! नहीं तो मेरी पोशाकों में झुर्रियाँ पड़ जाएंगी!"

"तुम चाहो तो हम तुम्हें पहाड़ी पर खींच सकते हैं!"
“खींचो मत. उससे मेरे रेशमी कपड़े गंदे हो जायेंगे.”
अंत में लड़कियाँ ऐरी को छोड़कर चली गईं.

कुछ देर तक ऐरी लड़खड़ाती रही लेकिन जल्द ही वो चिल्लाई...
"मेरे लिए रुको! मेरे लिए रुको! मैं पहाड़ी पर नहीं चढ़ सकती!"
ऐरी के दोस्त एक बार फिर वापस आए.
"अच्छे अपने कंगन उतारो, अपने भारी गहने उतारो.
“अपनी कुछ पोशाकें भी उतारो. फिर तुम पहाड़ी पर चढ़ पाओगी."

“तुम लोगों को मेरे अच्छे कपड़ों से जलन हो रही है.
मैं नृत्य में सबसे सुंदर लड़की नहीं बनूंगी."
एरी ने कुछ भी उतारने से इनकार कर दिया.
इसलिए, अंत में उसके दोस्तों ने उसे वहीं छोड़ दिया. दोस्त, ऐरी के बिना नृत्य में चले गए.

सारा दिन, तेज़ धूप में. ऐरी ने पहाड़ी पर चढ़ने की कोशिश की.
रात होने तक वो पहाड़ी की चोटी पर पहुँच पाई.
वहाँ पहुंचकर वो बैठ गई. अपने भारी कपड़ों में वो फंस गई थी.
उसके लिए अब एक भी कदम उठाना बहुत मुश्किल था.

जब उसकी सहेलियाँ डांस से वापिस लौटीं तब भी
ऐरी हिलने-डुलने के लिए भी बहुत थकी हुई थी.
तब तक उसके माता-पिता उसे ढूंढ़ते हुए आए.
ऐरी का कपड़ों का घमंड अब टूट चुका था.
"मम्मी-पापा, मैंने बहुत ज़्यादा कपड़े पहने.
मुझे इन सब कपड़ों की ज़रूरत नहीं है!"

“तो फिर अपनी कुछ पोशाकें उतार दो.
उन भारी गहनों को भी उतार दो.
तुम्हें कम चीज़ों में ही खुश रहना
चाहिए.” फिर ऐरी ने गहना
-दर-गहना, और पोशाकें धीरे-धीरे
अपनी सारी चीज़ें उतारकर
लोगों को दे दीं.

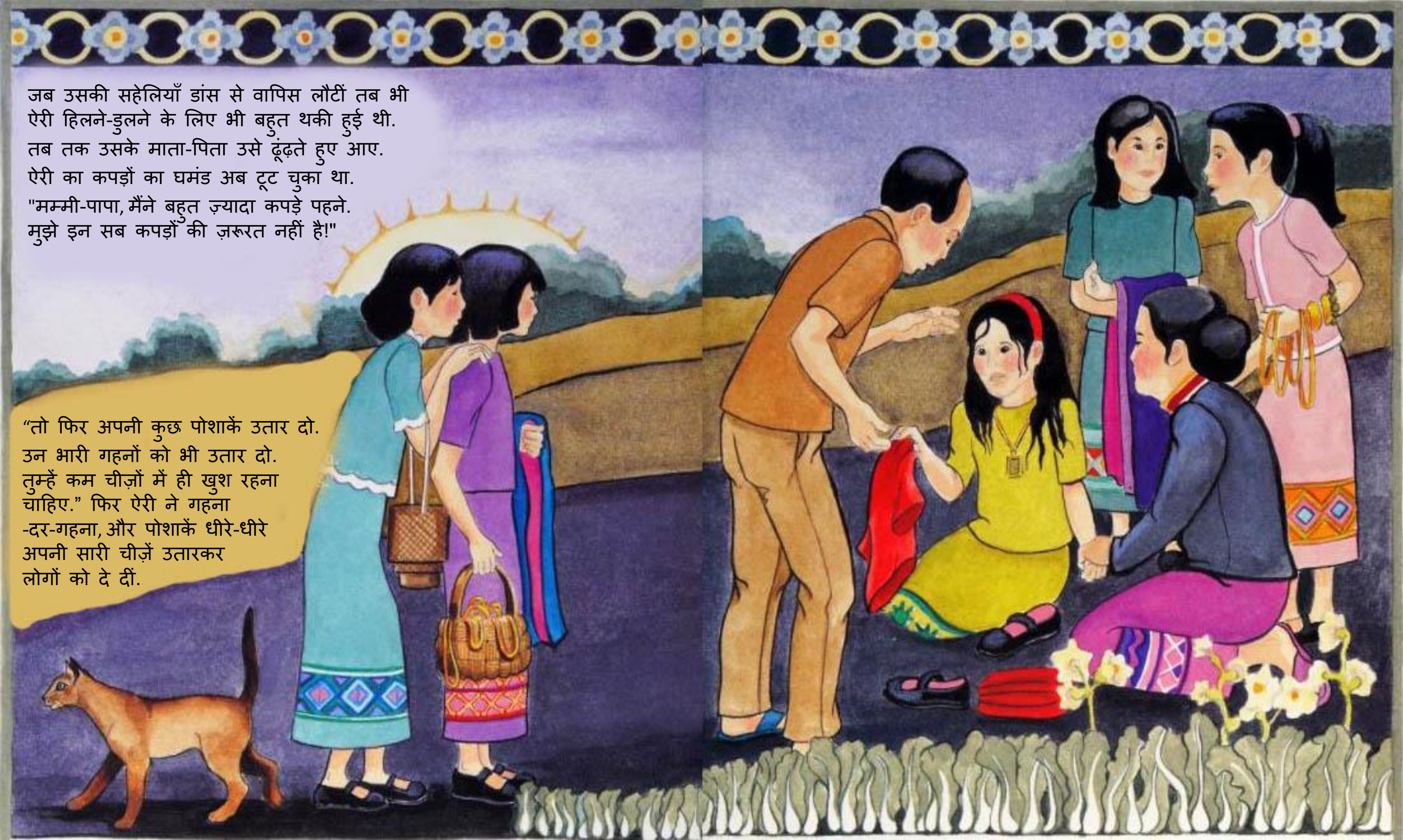

और अगले साल जब ऐरी नृत्य के
लिए गई तो वो एक साधारण पोशाक
में बहुत सुंदर लग रही थी.

अंत